अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 19 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 19 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या **67/SS/A**
कोड नं०
स्तवकः/ सेट **A**

संस्कृतसाहित्यम्
संस्कृत साहित्य
(348)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च .....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् 1. .....
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

2. .....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 67/SS/A, स्तवक [A] नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 67/SS/A, सेट [A] अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

संस्कृतसाहित्यम्
संस्कृत साहित्य
(348)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [**A**] भागे 20, [**B**] भागे 15, [**C**] भागे 6, [**D**] भागे 6, [**E**] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [**A**] भाग में 20, [**B**] भाग में 15, [**C**] भाग में 6, [**D**] भाग में 6, [**E**] भाग में 4—कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः। तत्र वैकल्पिकभागेषु एकः एव समाधेयः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। वैकल्पिक भागों में से एक विकल्प का ही समाधान कीजिए।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति अङ्काः दीयन्ते।

प्रत्येक प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) **A** भागे प्र. सं. 1 तः 20 पर्यन्तं बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकं उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु। एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति। एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एव प्रयासः करणीयः।

भाग **A** में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें। इनमें से कुछ प्रश्नों पर एक आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल एक ही प्रयास करना चाहिए।

(v) **B** भागे प्र. सं. 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग **B** में प्रश्न संख्या 21 से 35 तक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उनके निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) **C** भागे प्र. सं. 36 तः 41 पर्यन्तं अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः ।

भाग **C** में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक प्रत्येक दो-दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके उत्तर लिखना चाहिए।

(vii) **D** भागे प्र. सं. 42 तः 47 पर्यन्तं अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *50* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **D** में प्रश्न संख्या 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *50* शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(viii) **E** भागे प्र. सं. 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *80* तः *100* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **E** में प्रश्न संख्या 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *80* से *100* शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखिए।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर-पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जाचें कि क्या प्रश्न-पत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखिए।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time have been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

[A] विंशति प्रश्नानां युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×20=20

बीस प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प चुनिए :

1. नैषधीयचरिते कति सर्गाः सन्ति?

(क) 22 (ख) 21

(ग) 20 (घ) 19

'नैषधीयचरित' में कितने सर्ग हैं?

(क) 22 (ख) 21

(ग) 20 (घ) 19

अथवा

'मेघदूतम्' कस्य कृतिः वर्तते?

(क) माघस्य (ख) जल्हणस्य

(ग) श्रीहर्षस्य (घ) कालिदासस्य

'मेघदूत' किसकी रचना है?

(क) माघ (ख) जल्हण

(ग) श्रीहर्ष (घ) कालिदास

2. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य प्रणेता कः?

(क) माघः (ख) जल्हणः

(ग) श्रीहर्षः (घ) कालिदासः

'शिशुपालवध' महाकाव्य के रचयिता कौन हैं?

(क) माघ (ख) जल्हण

(ग) श्रीहर्ष (घ) कालिदास

अथवा

'कुमारसम्भवम्' कस्य कृतिः वर्तते?

(क) कल्हणस्य (ख) जल्हणस्य

(ग) क्षेमेन्द्रस्य (घ) कालिदासस्य

'कुमारसंभव' किसकी रचना है?

(क) कल्हण (ख) जल्हण

(ग) क्षेमेन्द्र (घ) कालिदास

3. रघुवंशमहाकाव्ये कति सर्गाः वर्तन्ते?

(क) 19 (ख) 18

(ग) 17 (घ) 16

'रघुवंश' महाकाव्य में कितने सर्ग हैं?

(क) 19 (ख) 18

(ग) 17 (घ) 16

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तले कति अंकाः वर्तन्ते?

(क) षट् (ख) पञ्च

(ग) दश (घ) सप्त

'अभिज्ञानशाकुन्तल' में कितने अंक हैं?

(क) छः (ख) पाँच

(ग) दस (घ) सात

4. 'बुद्धचरितम्' कस्य रचना अस्ति?

(क) माघस्य (ख) अश्वघोषस्य

(ग) श्रीहर्षस्य (घ) कालिदासस्य

'बुद्धचरित' किसकी रचना है?

(क) माघ (ख) अश्वघोष

(ग) श्रीहर्ष (घ) कालिदास

अथवा

'कविकण्ठाभरणम्' कस्य कृतिः वर्तते?

(क) श्रीहर्षस्य (ख) भोजदेवस्य

(ग) क्षेमेन्द्रस्य (घ) कालिदासस्य

'कविकण्ठाभरण' किसकी रचना है?

(क) श्रीहर्ष (ख) भोजदेव

(ग) क्षेमेन्द्र (घ) कालिदास

5. शिशुपालवधमहाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?

(क) 18 (ख) 19

(ग) 20 (घ) 21

'शिशुपालवध' महाकाव्य में कितने सर्ग हैं?

(क) 18 (ख) 19

(ग) 20 (घ) 21

6. माघस्य पिता कः आसीत्?

(क) वसिष्ठः (ख) महेश्वरः

(ग) विश्वामित्रः (घ) दत्तकः

माघ के पिता कौन थे?

(क) वसिष्ठ (ख) महेश्वर

(ग) विश्वामित्र (घ) दत्तक

7. उच्चमानोऽपि कः परुषम् उत्तरं न प्रतिपद्यते?

(क) वसिष्ठः (ख) दशरथः

(ग) रामः (घ) जनः

कठोर या ऊँचा बोलने पर भी कौन प्रतिक्रिया नहीं देता?

(क) वसिष्ठ (ख) दशरथ

(ग) राम (घ) जन

अथवा

स्वपापेन कः विहिंसितः?

(क) कविः (ख) खलः

(ग) सज्जनः (घ) कालः

कौन अपने पापों से विनष्ट होता है?

(क) कवि (ख) खल (दुष्ट)

(ग) सज्जन (घ) काल

8. गुरुचरणाम्बुजनिर्भरभक्तः कस्मात् अचिरात् मुक्तः भवतिः?

(क) संसारात् (ख) ज्ञानात्

(ग) गृहात् (घ) सूर्यात्

गुरुचरणों पर भरोसा करने वाला शीघ्र ही किससे मुक्त होता है?

(क) संसार से (ख) ज्ञान से

(ग) घर से (घ) सूर्य से

अथवा

रामः केषां प्रतिपूजकः?

(क) प्रजानाम् (ख) अमात्यानाम्

(ग) वृद्धानाम् (घ) योगिनाम्

राम किसके प्रतिपूजक हैं?

(क) प्रजा (ख) मंत्री

(ग) वृद्ध (घ) योगी

9. 'आकर्ण्य' इत्यत्र कः उपसर्गः?

(क) आ (ख) आक

(ग) आम् (घ) आङ्

'आकर्ण्य' में कौन-सा उपसर्ग है?

(क) आ (ख) आक

(ग) आम् (घ) आङ्

10. अम्बिकादत्तव्यासस्यात्र का रचना?

(क) शिवराजविजयः (ख) हरविजयः

(ग) जयविजयः (घ) श्रीविजयः

अम्बिकादत्तव्यास की रचना कौन-सी है?

(क) शिवराजविजय (ख) हरविजय

(ग) जयविजय (घ) श्रीविजय

11. पुण्डरीकपटलस्य प्रेयान् कः?

(क) सूर्यः (ख) श्यामवटुः

(ग) यवनः (घ) योगी

पुण्डरीकपटल का प्रिय कौन है?

(क) सूर्य (ख) श्यामवटु

(ग) यवन (घ) योगी

12. गजिनीदेशनिवासी महामदो यवनः ससेनः कुत्र प्राविशत्?

(क) अमेरिकादेशे (ख) भारतवर्षे

(ग) गजिनीदेशे (घ) गाजादेशे

गजिनीदेशनिवासी महामद यवन ने सेना सहित कहाँ प्रवेश किया?

(क) अमेरिका देश में (ख) भारतवर्ष में

(ग) गजिनी देश में (घ) गाजा देश में

13. महान् पुण्यमयः समयो केन कारणेन अतिवाहितः?

(क) शीतेन (ख) स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव

(ग) भ्रमणेन (घ) परतन्त्रेण

महान पुण्य का समय (वटु) किस प्रकार/कैसे व्यतीत किया?

(क) शीत में (ख) स्वप्नजाल में फँसकर

(ग) घूमकर (घ) फँसकर

अथवा

आकृत्या सुन्दरः कः?

(क) मतिः (ख) विभक्तिः

(ग) जातिः (घ) वटुः

सुन्दर आकृति का कौन था?

(क) मति (ख) विभक्ति

(ग) जाति (घ) वटु

14. 'सतीर्थ्यः' इति पदस्यार्थः कः?

(क) अध्येता (ख) शिष्यः

(ग) सहाध्येता (घ) तटः

'सतीर्थ्य' पद का क्या अर्थ है?

(क) अध्येता (ख) शिष्य

(ग) साथ अध्ययन करने वाला (घ) किनारा

15. यया शक्त्या अर्थः प्रतिपाद्यते, सा का?

(क) आयुः (ख) वृत्तः

(ग) वृत्तिः (घ) सरिता

शक्ति का अर्थ, जिसके द्वारा प्रतिपादित किया जाता है, वह क्या है?

(क) आयु (ख) वृत्त

(ग) वृत्ति (घ) सरिता

अथवा

'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र का लक्षणा?

(क) प्रयोजनवती लक्षणा (ख) रूढिलक्षणा

(ग) जातिलक्षणा (घ) वृत्तिलक्षणा

'गङ्गायां घोषः' में कौन-सी लक्षणा है?

(क) प्रयोजनवती लक्षणा (ख) रूढ़ि लक्षणा

(ग) जाति लक्षणा (घ) वृत्ति लक्षणा

16. कैः तिस्रः वृत्तयः स्वीकृताः?

(क) आलङ्कारिकैः (ख) वैयाकरणैः

(ग) कविभिः (घ) लेखकैः

कौन तीन वृत्तियाँ स्वीकार करते हैं?

(क) आलंकारिक (ख) वैयाकरण

(ग) कवि (घ) लेखक

17. यया अन्योऽर्थः प्रतीयतेऽसौ का?

(क) लक्षणा (ख) अभिधा

(ग) मुख्यार्थबोधिका (घ) वाच्यार्थबोधिका

जिसके द्वारा दूसरे अर्थ का बोध होता है, वह है

(क) लक्षणा (ख) अभिधा

(ग) मुख्यार्थबोधिका (घ) वाच्यार्थबोधिका

18. ''मात्तौ गौ चेच्छालिनी वेदलोकैः'' इति कस्मिन् छन्दसि आगच्छति?

(क) वंशस्थछन्दसि (ख) वसन्ततिलकाच्छन्दसि

(ग) शिखरिणीच्छन्दसि (घ) शालिनीच्छन्दसि

''मात्तौ गौ चेच्छालिनी वेदलोकैः''—यह किस छंद में आता है?

(क) वंशस्थ छंद में (ख) वसन्ततिलका छंद में

(ग) शिखरिणी छंद में (घ) शालिनी छंद में

अथवा

''तभजा जगौ गः'' इति कस्मिन् छन्दसि आगच्छति?

(क) वसन्ततिलकाच्छन्दसि (ख) वंशस्थछन्दसि

(ग) शिखरिणीच्छन्दसि (घ) शालिनीच्छन्दसि

''तभजा जगौ गः''—यह किस छंद में आता है?

(क) वसन्ततिलका छंद में (ख) वंशस्थ छंद में

(ग) शिखरिणी छंद में (घ) शालिनी छंद में

19. शब्दपरिवृत्त्यसहत्वं कुत्र भवति?

(क) अर्थालंकारे (ख) आभूषणे

(ग) अर्थे (घ) शब्दालंकारे

शब्द-परिवर्तन को कहाँ सहन नहीं किया जाता?

(क) अर्थालंकार में (ख) आभूषण में

(ग) अर्थ में (घ) शब्दालंकार में

20. 'वक्रोक्तिः' कतिविधा भवति?

(क) द्विविधा (ख) त्रिविधा

(ग) चतुर्विधा (घ) पञ्चविधा

'वक्रोक्ति' कितने प्रकार के होते हैं?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) पाँच

अथवा

उपमा अलंकारः किम् अलंकारे वर्तते?

(क) अर्थालंकारे (ख) काव्यालंकारे

(ग) सौन्दर्यालंकारे (घ) शब्दालंकारे

उपमा अलंकार किस अलंकार में विद्यमान हैं?

(क) अर्थालंकार (ख) काव्यालंकार

(ग) सौन्दर्यालंकार (घ) शब्दालंकार

[B] पञ्चदशप्रश्नानां (21–35) यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×15=30

निर्देशानुसार पंद्रह (21–35) प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

21. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) माघः	(क) उत्तररामचरितम्
(ii) श्रीहर्षः	(ख) शिशुपालवधम्
	(ग) नैषधीयचरितम्

उचित मिलान कीजिए :

(i) माघ	(क) उत्तररामचरित
(ii) श्रीहर्ष	(ख) शिशुपालवध
	(ग) नैषधीयचरित

22. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) खेचरचक्रस्य	(क) षष्ठीतत्पुरुषसमासः
(ii) ब्रह्माण्डभाण्डस्य	(ख) बहुव्रीहिसमासः
	(ग) कर्मधारयसमासः

उचित मिलान कीजिए :

(i) खेचरचक्रस्य	(क) षष्ठी तत्पुरुष समास
(ii) ब्रह्माण्डभाण्डस्य	(ख) बहुव्रीहि समास
	(ग) कर्मधारय समास

23. युक्तियुक्तं चिनुत—

स्फटिकमणाविव	(क) स्फटिकमणौ + इव
	(ख) स्फटिकमणा + इव

उचित का चुनाव कीजिए :

स्फटिकमणाविव	(क) स्फटिकमणौ + इव
	(ख) स्फटिकमणा + इव

24. युक्तियुक्तं चिनुत—

सुखेनोपदेशगुणाः

(क) सुखेनो + पदेशगुणाः

(ख) सुखेन + उपदेशगुणाः

उचित का चुनाव कीजिए :

सुखेनोपदेशगुणाः

(क) सुखेनो + पदेशगुणाः

(ख) सुखेन + उपदेशगुणाः

25. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) गलत्युपदिष्टम्

(ii) गृहीत्वैव

(क) गुणसन्धिः

(ख) यण्सन्धिः

(ग) वृद्धिसन्धिः

उचित मिलान कीजिए :

(i) गलत्युपदिष्टम्

(ii) गृहीत्वैव

(क) गुण सन्धि

(ख) यण् सन्धि

(ग) वृद्धि सन्धि

26. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) वसुजनन्यपि

(ii) देवाधिष्ठितो

(क) यण्सन्धिः

(ख) वृद्धिसन्धिः

(ग) गुणसन्धिः

उचित मिलान कीजिए :

(i) वसुजनन्यपि

(ii) देवाधिष्ठितो

(क) यण् सन्धि

(ख) वृद्धि सन्धि

(ग) गुण सन्धि

27. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) मनसा	(क) पञ्चमीविभक्तिः
(ii) गुरून्	(ख) तृतीयाविभक्तिः
	(ग) द्वितीयाविभक्तिः

उचित मिलान कीजिए :

(i) मनसा	(क) पञ्चमी विभक्ति
(ii) गुरून्	(ख) तृतीया विभक्ति
	(ग) द्वितीया विभक्ति

28. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) तस्मै	(क) पञ्चमीविभक्तिः
(ii) आदौ	(ख) चतुर्थीविभक्तिः
	(ग) सप्तमीविभक्तिः

उचित मिलान कीजिए :

(i) तस्मै	(क) पञ्चमी विभक्ति
(ii) आदौ	(ख) चतुर्थी विभक्ति
	(ग) सप्तमी विभक्ति

29. उपयुक्तं चिनुत—

आरोपिता क्रिया	(क) अभिधा
	(ख) लक्षणा

उपयुक्त का चुनाव कीजिए :

आरोपिता क्रिया	(क) अभिधा
	(ख) लक्षणा

30. उपयुक्तं चिनुत—

सादृश्येतरसम्बन्धाः

(क) शुद्धाः

(ख) गौणी

उपयुक्त का चुनाव कीजिए :

सादृश्येतरसम्बन्धाः

(क) शुद्धा

(ख) गौणी

31. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) मङ्गलकलशजलैरिव

(ii) अभिषेकसमये परामृश्यत इव

(क) उपमा

(ख) रूपकम्

(ग) उत्प्रेक्षा

उचित मिलान कीजिए :

(i) मङ्गलकलशजलैरिव

(ii) अभिषेकसमये परामृश्यत इव

(क) उपमा

(ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा

32. रिक्तस्थानं पूरयत—

मुख्यार्थस्येतराक्षेपे _____ ।

स्यादात्मनोऽप्युपादानादेषोऽपादानलक्षणा।।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

मुख्यार्थस्येतराक्षेपे _____ ।

स्यादात्मनोऽप्युपादानादेषोऽपादानलक्षणा।।

33. रिक्तस्थानं पूरयत—

विषयस्यानिगीर्णस्यान्यतादात्म्यप्रीतिकृत्।

_____ मता साध्यवसानिका।।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

विषयस्यानिगीर्णस्यान्यतादात्म्यप्रीतिकृत्।

_____ मता साध्यवसानिका।।

34. उपयुक्तं चिनुत—

अत्र छन्दो वर्तते

।।ऽ, ।।ऽ, ।।ऽ, ।।ऽ

(क) तोटकच्छन्दः

(ख) वंशस्थच्छन्दः

उपयुक्त (विकल्प) का चुनाव कीजिए :

यहाँ कौन-सा छंद है?

।।ऽ, ।।ऽ, ।।ऽ, ।।ऽ

(क) तोटकच्छन्द

(ख) वंशस्थच्छन्द

35. उपयुक्तं चिनुत—

नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागतपङ्कजम्।

मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभिं सुमनोहरैः॥

अत्र किम् अलङ्कारः अस्ति?

(क) छेकानुप्रासः

(ख) यमकम्

उपयुक्त (विकल्प) का चुनाव कीजिए :

नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागतपङ्कजम्।

मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभिं सुमनोहरैः।।

यहाँ कौन-सा अलंकार है?

(क) छेकानुप्रास

(ख) यमक

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×6=12

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

36. असौ षोडशवर्षदेशीयः वटुः आकृत्या कीदृशः? भारतवर्षं महामदः यवनः कतिवारम् अलुण्ठत्?

सोलहवर्षीय वटु दिखने में कैसा था? महाभिमानी यवन ने भारतवर्ष को कितनी बार लूटा?

37. पुरुषोत्तमरतापि खलजनप्रिया को? तारापीडस्य प्रधानमन्त्रिणः नाम किमासीत्?
श्रेष्ठ मनुष्य भी दुष्टों का प्रिय क्यों होता है? तारापीड के प्रधानमंत्री का क्या नाम था?

38. लक्ष्यार्थस्य प्रतीतिः कया वृत्त्या जायते? व्यञ्जनया कस्यार्थस्य प्रतीतिः भवति?
लक्ष्य अर्थ का बोध किस वृत्ति से उत्पन्न होता है? व्यंजना से किस अर्थ का बोध होता है?

39. शब्दालङ्कारे कस्य प्राधान्यं विद्यते? अनुप्रासः कतिविधः भवति?
शब्दालंकार में किसकी प्रधानता होती है? अनुप्रास कितने प्रकार के होते हैं?

40. वसन्ततिलकावृत्तस्य लक्षणं किम्? वसन्ततिलकावृत्ते एकस्मिन् पादे कति वर्णाः भवन्ति?
वसन्ततिलकावृत्त का क्या लक्षण है? वसन्ततिलकावृत्त के एक पाद (चरण) में कितने वर्ण होते हैं?

41. अनुप्रासालंकारस्य लक्षणं किम्? यमकालंकारस्य लक्षणं किम्?
अनुप्रास अलंकार का क्या लक्षण है? यमक अलंकार का क्या लक्षण है?

अथवा

अनुमितिवादस्य प्रतिष्ठापकः कः? भुक्तिवादस्य प्रतिष्ठापकः कः?
अनुमितिवाद के प्रतिष्ठापक कौन हैं? भुक्तिवाद के प्रतिष्ठापक कौन हैं?

[D] षट् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18

छह लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

42. भारतवर्षीयदशास्मरणेन ब्रह्मचारिगुरोः अवस्थां निरूपयत।
भारतवर्ष की दशा का स्मरण करने पर ब्रह्मचारी गुरु की स्थिति का वर्णन कीजिए।

43. श्यामवटोः शरीरसौन्दर्यं ग्रन्थदिशा प्रतिपादयत।
पाठ के आधार पर श्यामवटु के शारीरिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

44. लक्ष्मीः रागवक्रतादिकं स्वभावं केन केन पदार्थेन गृहीतवती?
लक्ष्मी राग, वक्रता आदि स्वभाव किन-किन पदार्थों से ग्रहण करती है?

अथवा

लक्ष्मीः कीदृशी इति ग्रन्थदिशा संक्षेपेण निरूपयत।
लक्ष्मी कैसी थी? पाठ के अनुसार संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

45. शुकनासद्वारेण प्रदत्तं राजलक्ष्मीज्ञानं ग्रन्थदिशा लिखत।
पाठ के आधार पर शुकनास द्वारा प्रदत्त राजलक्ष्मी ज्ञान के विषय में लिखिए।

46. ''सानुस्वारो विसर्गान्तो दीर्घो युक्तपरश्च यः'' इति श्लोकं विशदयत।
''सानुस्वारो विसर्गान्तो दीर्घो युक्तपरश्च यः''—इस श्लोक का वर्णन कीजिए।

47. अनुमितिवादं भुक्तिवादं **वा** ग्रन्थदिशा विशदयत।
अनुमितिवाद **अथवा** भुक्तिवाद का वर्णन पाठ के आधार पर कीजिए।

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः— 5×4=20
चार दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

48. अविवेकिना किं त्यक्तव्यम् इति ग्रन्थदिशा प्रतिपादयत।
पाठ के आधार पर लिखिए कि विवेकहीन को क्या त्याग देना चाहिए।

49. ग्रन्थदिशा श्यामवटोः स्वरूपं वर्णयत।
पाठ के आधार पर श्यामवटु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

50. शुकनासेन उपदेशावसानकाले चन्द्रापीडस्य कृते का का कामना विहिता?
शुकनास द्वारा उपदेश के अंत में चन्द्रापीड के लिए कौन-कौन सी इच्छाएँ की गईं?

अथवा

''उपकुर्वन्ति तं सन्तं येऽङ्गद्वारेण जातुचित्'' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
''उपकुर्वन्ति तं सन्तं येऽङ्गद्वारेण जातुचित्''—इसकी व्याख्या कीजिए।

51. तोटकद्रुतविलम्बितयोः एकस्य छन्दसः वर्णनं कुरुत।
तोटक या द्रुतविलम्बित छंद का वर्णन कीजिए।

★★★